Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 10-2019] CHANDIGARH, TUESDAY, MARCH 5, 2019 (PHALGUNA 14, 1940 SAKA)

General Review

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की वर्ष 2017—2018 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा।

दिनांक 12 फरवरी, 2019

No. S&T/AAR/2019/295.—

(i) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने अपनी गतिविधियों के संचालन पर आवर्ती बजट के अन्तर्गत 127.74566 लाख रुपये तथा अनावर्ती बजट के अन्तर्गत 1414.81209 लाख रूपये की राशि खर्च की।

(ii) राज्य के सात वैज्ञानिकों/शोध छात्रों को विदेशों में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला/सम्मलेन में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए 1,50,209/— रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की।

(iii) विभाग ने राज्य के स्कूल विद्यार्थियों के लिए जिला, जोन व राज्य स्तर पर विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की।

(iv) विभाग ने कॉलेज विद्यार्थियों के लिए भी जिला, जोन व राज्य स्तर पर 'विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं' आयोजित की।

(v) स्कूल एवं कालेज के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान निबन्ध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

(vi) भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां एवं वाई०एम०सी०ए० विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में विज्ञान सम्मेलनों का आयोजन किया गया। इन सम्मेलन में प्रख्यात वैज्ञानिकों को विद्यार्थियों के संवाद करने के लिए बुलाया गया।

(vii) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फैलोशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत 63,53,867/— रूपये की राशि पी०एच०डी० विद्यार्थियों को वितरण के लिए विश्वविद्यालयों को जारी की गई।

(viii) विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने बारे छात्रवृति स्कीम के अन्तर्गत 2—वर्षीय एम०एस०सी० (प्रथम वर्ष) के 50 विद्यार्थियों एवं 3—वर्षीय बी०एस०सी०/4—वर्षीय बी०एस०/5—वर्षीय समन्वित एम०एस०सी०/एम०एस० (प्रथम वर्ष) के 151 विद्यार्थियों का चयन किया गया। इसके अतिरिक्त पिछले वर्षों के दौरान चुने गए विद्यार्थियों को उनकी योग्यता अनुसार छात्रवृति राशि जारी रखी गई।

(ix) वर्ष 2012—13 से 2016—17 तक के हरियाणा विज्ञान रत्न एवं युवा विज्ञान रत्न पुरस्कार चयनित वैज्ञानिकों को प्रदान किए गए।

(x) जिला नवाचार निधि योजना के अन्तर्गत हरियाणा राज्य में सभी विभागों/बोर्डस एवं निगमों के प्रमुखों से, राज्य के सभी उपायुक्तों से और राज्य विश्वविद्यालयों के सभी कुलपतियों से दस करोड़ रूपये तक के नवाचार परियोजना प्रस्ताव आमंत्रित किये गये।

(xi) विभाग ने सी०एस०आई०ओ०, चण्डीगढ़ को सेमिनार/कार्यशाला के आयोजन के लिए 48,000/– रूपये की राशि प्रदान की।

(xii) विभाग ने राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले मेधावी छात्रों के लिए दो एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया।

(xiii) राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2017 के आयोजन के लिए 10 पॉलिटेक्निक/औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और 17 इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग व प्रौद्योगिकी विभाग को 4.40 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की।

(xiv) हरियाणा विज्ञान प्रतिभा खोज छात्रवृति योजना के अंतर्गत 1,000 छात्रों के चयन के लिए एस०सी०ई०आर०टी०, गुरुग्राम ने एन०टी०एस०सी० पहले स्तर की परीक्षा आयोजित की।

(xv) एन०सी०आर० में सांईस सिटी की स्थापना के लिए संस्कृति मंत्रालय ने सैद्धान्तिक रूप में स्वीकृति दी तदानुसार गुरूग्राम में सांईस सिटी की स्थापना के लिए 6 साईटों का चयन किया जिनका संस्कृति मंत्रालय की टीम द्वारा निरीक्षण किया जाना है।

(xvi) अंबाला में उप क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र की स्थापना के लिए वार हिरोज मेमोरियल की जगह के साथ 5 एकड़ भूमि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, हरियाणा के नाम से पंजीकृत की गई। पानी निकासी, मिट्टी डालने, भूमि को समतल करने एवं चार दिवारी के निर्माण का कार्य लोक निर्माण विभाग अम्बाला द्वारा करवाया जा रहा है।

(xvii) परिषद् ने राज्य के छः विश्वविद्याालयों में बौद्विक संपदा अधिकार जागरूकता कार्यक्रम के कार्यान्वन हेतू, 1,70,000/– रूपये की राशि जारी की।

(xviii) वर्ष के दौरान कल्पना चावला स्मारक तारामण्डल, कुरूक्षेत्र में नियमित शो दिखाए गए एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की गई। वर्ष के दौरान 1,35,293 दर्शकों ने तारामण्डल का भ्रमण किया एवं टिकट की बिक्री से 30,97,405/– रुपए का राजस्व अर्जित किया।

(xix) पादप जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र में साजोसामान से युक्त प्लांट टिशु कल्चर प्रयोगशालाएं हैं। यह केन्द्र टिशु कल्चर तकनीक से विभिन्न प्रजातियों के पौधे विकसित कर रहा है। केन्द्र ने वर्ष के दौरान कुल 3,52,392/– रूपये का राजस्व अर्जित किया।

(xx) हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित परियोजनाओं पर कार्य कियाः–

- नगर निगम गुरूग्राम के लिए भू–स्थानिक अनुप्रयोग।
- नगर निगम रोहतक के लिए भू–स्थानिक अनुप्रयोग।
- जिला मुख्यालय जींद में जी०आई०एस० लैब की स्थापना।
- भिवानी के नगर क्षेत्र में संपत्ति कर के लिए यूएवी आधारित भू–स्थानिक मानचित्रण।
- भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके हाई रिज़ोलुशन उपग्रह चित्र द्वारा गुरूग्राम और फरीदाबाद के लिए शहरी परिवर्तन प्रबंधन विश्लेषण (एक वर्ष में 4 बार)
- भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर के यूएवी डेटा द्वारा करनाल के लिए शहरी परिवर्तन प्रबंधन विश्लेषण (एक वर्ष में 4 बार)
- नगर निगम फरीदाबाद में जी०आई०एस० प्रयोगशाला की स्थापना।
- हरियाणा के वेटलैंड एटलस की तैयारी।
- हरियाणा में सरकारी और निजी आई०टी०आई का जी०आई०एस० डाटाबेस निर्माण।
- हरियाणा में शिक्षण संस्थानों के जी०आई०एस० मानचित्रण।
- हरियाणा के यमुनानगर, कुरूक्षेत्र और कैथल जिलों के कैडस्ट्रल डेटा पर पेलियोचैनल्स का सुपरइम्पोजिशन।
- हरियाणा के निचले क्षेत्रों की 1:50000 पैमाने पर मानचित्रण।
- सरकारी व सहायता प्राप्त महाविद्ययालयों एवं 10+2 सरकारी व निजी विद्ययालयों का जिलावार 10 किलोमीटर त्रिज्या में मानचित्रण करना।

- हरियाणा में पुरातत्व स्थलों और स्मारकों का उपग्रह मानचित्रण
- हरियाणा में सरकारी स्कूलों के जी०आई०एस० मानचित्रण।
- हरियाणा में हड़प्पन पुरातत्व स्थलों का जी०आई०एस० मानचित्रण।
- जी०आई०एस० सेल, पी०एच०ई०डी०, पंचकुला।
- जी०आई०एस० सेल, एच०एस०पी०सी०बी०, पंचकुला।
- राजकीय आई०टी०आई, पंचकुला में भू–स्थानिक (Geo-Spatial) सहायक पाठ्यक्रम।
- हरियाणा में आई०डब्ल्यू० एम०पी० (IWMP) के वाटरशेड की निगरानी और मूल्यांकन।
- अंतरिक्ष, कृषि–मौसम विज्ञान और भूमि आधारित निरीक्षण का उपयोग करके कृषि उत्पादन का पूर्वानुमान और राष्ट्रीय कृषि सूखा प्रबंधन प्रणाली (FASAL और NADAMS)
- हरियाणा में धान व गेंहू पुवाल जलाने वाले क्षेत्रों का आंकलन।
- अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी व भौगोलिक सूचना प्रणाली द्वारा फसल बीमा मूल्यांकनक।
- रेशम उत्पादन के विकास में सुदूर संवेदन और जी०आई०एस० के अनुप्रयोग–द्वितीय चरण।
- हरियाणा स्पेशिअल डाटा संरचना परियोजना।
- सड़क सूचना सिस्टम (E-road) परियोजना।
- प्रशासनिक गाँव की सीमा का समानीकरण परियोजना।
- बेकार भूमि परिवर्तन विश्लेषण परियोजना।
- पंचायती राज संस्थाओं का स्थानिक रूप से सशक्तिकरण।
- राष्ट्रीय भूमि उपयोग भूमि कवर विश्लेषण–तीसरा चक्र परियोजना (1:50,000 मापक)
- इज ऑफ़ डूईग बिज़नस।
- अंबाला जिले में टांगरी नदी का सैटेलाइट सर्वेक्षण।
- बंजर स्थिति का मानचित्रण (द्वितीय चक्र)
- हरियाणा में वन सीमाओं का डिजिटाइजेशन।
- राष्ट्रीय भूमि गिरावट परिवर्तन पहचान।
- हरियाणा में इंडस्ट्रीज के जियो–डाटाबेस का जियो मैपिंग एंड क्रिएशन।
- नहरों/नालियों में जा रहे प्रदूषण स्त्रोतों को सर्वेक्षण।
- हरियाणा राज्य में जल नमूना प्वाईंट, जल गुणवत्ता, प्रदूषण स्तर और भू–डेटाबेस निर्माण।
- ई०आर०पी० ऑनलाइन के साथ जी०आई०एस० एकीकरण।
- प्रशिक्षण व तकनीकी क्षमता विकास कार्यक्रम।
- गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के सहयोग से भौगोलिक सूचना प्रणाली में एम०टेक० कोर्स।

अमित झा,
अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा सरकार,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग।

दिनांक 30.01.2019

REVIEW OF THE ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY DEPARTMENT FOR THE YEAR 2017-18

The 12th February, 2019

No. S&T/AAR/2019/295.—

(i) The Science and Technology department incurred an expenditure of Rs. 127.74566 lacs under recurring budget and Rs. 1414.81209 lacs under non-recurring budget for implementing its activities.

(ii) The financial assistance of Rs.1,50,209/- was provided to seven scientists/ research scholars of the state for presenting their paper in the international conference/seminar held abroad.

(iii) The Department organized science quiz competitions for school students at district, zonal and state level.

(iv) The Department also organised science quiz competition for college students at district, zonal and state level.

(v) Science essay writing competitions for school and college students were organised.

(vi) Science conclaves were organized at Bhagat Phool Singh, Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur, Kalan and YMCA, University of Science and Tecnology, Faridabad. In these events eminent scientists were invited to interact with the students.

(vii) An amount of Rs. 63,53,867/ - was released to the universities under HSCST fellowship programme for onwards disbursement to the Ph.D students.

(viii) 50 students of 2-Yr. M.Sc. and 151 students of 3-Yr. B.Sc./4-Yr. B.S./5-Yr.Integrated M.Sc./M.S. were selected for scholarships under promotion of Science Education (POSE) scholarship scheme. Besides, the scholarships were renewed as per eligibility of the students selected during the previous years.

(ix) Haryana Vigyan Ratna and Yuva Vigyan Ratna Awards were conferred to the scientists selected for the year 2012 -13 to 2016-17.

(x) Innovative project proposal up to rupees ten crores were invited under District Innovation Fund from all Head of the Department/Boards and corporations in the State of Haryana, all Deputy Commissioners in the State of Haryana and all Vice Chancellors of State Universities.

(xi) Financial assistance amounting to Rs.48,000/ - was provided to CSIO, Chandigarh for organization of seminars/ conference.

(xii) Two exposure visits were organized for the meritorious students studying in Govt. schools of the state.

(xiii) For Celebration of National Technology Day - 2017 financial assistance amounting to Rs. 4.40 lacs was provided to 10 Polytechnics/ ITI and 17 engineering colleges/university department of engineering of the State.

(xiv) For selecting 1,000 students under Haryana Science Talent Search scholarship scheme SCERT, Gurugrarn conducted NTSE stage-I examination.

(xv) Ministry of Culture, Govt. of India agreed in principle for setting up of Science City in NCR. Six sites were identified for further inspection by the team of Ministry of Culture, Govt. of India.

(xvi) For setting up Sub Regional Science Centre at Ambala land of 5 acres adjoining the site of War Heroes Memorial at Ambala was registered in the name of S&T Department, Haryana. The work of dewatering, earth filling and leveling of the site is being executed through PWD B&R, Ambala.

(xvii) S&T Council released Rs. 1,70,0001 - to six universities for implementation of .- Intellectual Property Right sensitization programmes.

(xviii) Regular shows and educational activities were organized at the Kalpana Chawla Memorial Planetarium, Kurukshetra. 1,35,293 visitors visited the Planetarium and revenue of Rs. 30,97,405/- was generated through sale of ticket.

(xix) The Centre for Plant Biotechnology has well equipped plant tissue culture laboratories and it is engaged in the production of elite germplasm of several crops through tissue culture technique. The centre has generated total revenue of Rs. 3,52,3921- lacs during the year under report .

(xx) Haryana Space Application Centre (HARSAC), Hisar has taken up the following major projects during the year: -

- Geospatial Applications for Municipal Corporation Gurugram

- Geospatial Applications for Municipal Corporation Rohtak
- Setting up of GIS Lab at District Head Quarter, Jind
- UAV based Geospatial Mapping for Property Tax in Municipal Area of Bhiwani
- Urban Change Management Analysis Using Geospatial Technology for Gurugram and Faridabad Using High Resolution Satellite Image (4 times in a year).
- Urban Change Management Analysis Using Geospatial Technology for Karnal Using UAV Data (4 times in a year)
- Setting up the GIS lab at M.C. Faridabad (MCF)
- Preparation of Wetland Atlas of Haryana
- GIS Database Creation of Government and Private ITI's in Haryana
- GIS Mapping of Educational Institutes in Haryana
- Palaeochannels' Superimposition on Cadastral Data of Yamunanagar, Kurukshetra and Kaithal Districts of Haryana
- Preparation of Low Lying Area Maps of Haryana on 1 :50,000 Scale
- Preparation of District Wise Maps Showing 10 Km Radius Buffer of Each Govt. College and Aided College with Locations of 10+2 Govt. and Private Schools in Haryana
- Satellite Mapping of Archaeological Sites and Monuments in Haryana
- GIS Mapping of Government Schools in Haryana
- GIS Mapping of Harappan Archaeological Sites in Haryana
- GIS Cell, PHED, Panchkula
- GIS Cell, HSPCB, Panchkula
- Geospatial Assistant Course at Govt. ITI, Panchkula
- Monitoring and Evaluation of Watersheds of IWMP in Haryana
- Forecasting Agricultural output using Space, Agro-meteorology and Land Based Observation & National Agricultural Drought Management System (FASAL & NADAMS)
- Monitoring Wheat and Rice Stubble Burning for Major Twelve and Ten Growing Districts of Haryana
- C(K)rop Insurance using Space Technology And geoiNformatics (KISAN)
- Applications of Remote Sensing and GIS in Sericulture Development-Phase II
- Development of Haryana Spatial Data Infrastructure (HSDI)
- Road Information System (E-road) Project
- Harmonization of Administrative Village Boundary Project
- Waste Land Change Detection Analysis 2015-16 Project
- Empowering Panchayati Raj Institutions Spatially (EPRIS)
- National Land Use Land Cover Analysis-Third Cycle project(1 :50000 Scale)
- Ease of Doing Business
- Satellite Survey of Tangri River in Ambala District
- Desertification Status Mapping (Cycle II)
- Digitization of Forest Boundaries in Haryana
- National Land Degradation Change Detection

- Geo Mapping and Creation of Geo-Database of Industries in Haryana
- Survey of Pollution Sources from Where Effluent is Going to Rivers/Drains
- Demarcation of Water Sample Points, Water Quality, Pollution Level and Geo-database Creation in Haryana State
- GIS Integration with PHED ERP online
- Training and Capacity Building Programmes
- M. Tech. (Geo-informatics) Programme in Collaboration with G.J.U., S & T, Hisar

AMIT JHA,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Science and Technology Department.

Dated 30.01.2019

56915—C.S.—H.G.P., Chd.